हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार 12 मई 2026

11 योग शिविर में स्वस्थ व तनावमुक्त जीवन का दिया संदेश

12 सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आस्था का प्रतीक

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित युवक को किया गरफ्तार

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की एक पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गांव शाहपूर बेगू क्षेत्र से एक युवक को 6 ग्राम 50 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान पारस के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव शाहपूर बेगू क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

डबवाली। शहर में एक युवक ने अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया जहां सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक की पहचान डबवाली निवासी आकाश के रूप में हुई है जो कि जूता कारीगर था। बताया जा रहा है कि आकाश रविवार देर शाम को घर में अकेला था। रात को परिजन घर लौटे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो आकाश फंदे पर लटक रहा था।

मजहबी सिख चिंतन महासम्मेलन 17 को

सिरसा। ऑल इंडिया मजहबी सिख वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मजहबी सिखों की धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीति की दशा और दिशा पर चिंतन महा सम्मेलन आगामी 17 मई को आयोजित किया जाएगा। एसोसिएशन के राष्ट्रीय संयोजक सविंद्र सिंह ने बताया कि चिंतन महासम्मेलन रानियां में होगा। उन्होंने बताया कि इस मौके पर विशेष रूप से धन-धन अमर शहीद बाबा जीवन सिंह/भाई जैता के इतिहास के पुनर्निर्माण पर एनिमेटेड फिल्म भी दिखाई जाएगी। सविंद्र सिंह ने बताया कि पूर्व कमिश्नर डॉ. स्वर्ण सिंह, आईआरएस अधिकारी सरदार परनीत सिंह और समूह परिवार द्वारा इस एनिमेटेड फिल्म का निर्माण किया गया है।

मुख्य बातें
- कर्मचारी संघ ने 14 मई तक आंदोलन बढ़ाया
- कच्चे कर्मियों को पक्का करने और समान वेतन की मांग

सड़कों पर 1500 टन कचरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

प्रदेश में अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत अग्निशमन विभाग और नगर पालिका कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। सरकार की अनदेखी से नाराज कर्मचारी संघ ने अपनी हड़ताल को अब 14 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। कर्मचारियों के इस कड़े रुख से आने वाले दिनों में नागरिक सेवाएं और अधिक प्रभावित होने की आशंका गहरा गई है। हड़ताल के 11 दिन बीत जाने के चलते जिले के 5 शहरों में अब तक 1500 टन कचरा सड़कों पर जमा हो गया है। हालात यह है कि थोड़ी सी बारिश होते ही महामारी फैलने से रोका नहीं जा सकता। इधर, प्रशासन हाथ पर हाथ धरे मूकदर्शक बना हुआ है। ईओ ने पहले एसपी से मदद मांगी तो बाद में डेरा सच्चा सौदा के अनुयायियों से लेकिन यह मामला यही तक ही सीमित रह गया। धरातल पर सफाई के कोई चांस नजर नहीं आ रहे। अब नगरपरिषद कर्मचारियों ने हड़ताल को 14 मई तक बढ़ाकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

कूड़े के ढेर पर खड़ी व्यवस्था, महामारी का खतरा मंडराया

सरकार की कार्यप्रणाली पर बोला हमला

यूनियन नेताओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार इस समय कुंभकर्णी नींद सोई हुई है। हठधर्मिता और अडियल रवैये पर कायम है। स्थिति यह है कि सरकार न तो कर्मचारियों की मांगों को सही ठहरा रही है और न ही उन्हें गलत बताकर खारिज कर रही है, बल्कि केवल एक मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है। इस कारण शहरों में गंदगी के अंबार लग चुके हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, लेकिन सत्ता पक्ष समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। नगर पालिका कर्मचारी संघ ने स्पष्ट किया है कि जब तक सरकार उनकी जायज मांगों पर संज्ञान नहीं लेती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। इकाई प्रधान नरेश राणा और सचिव ओम प्रकाश ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने आम जनता की सुरक्षा को ताक पर रख दिया है। उन्होंने बताया कि आग बुझाने जैसे जोखिम भरे काम के लिए सरकार ने 20-20 साल का अनुभव रखने वाले विशेषज्ञों के बजाय अप्रशिक्षित ड्राइवरों और होमगार्ड के जवानों को तैनात कर दिया है। यह कदम न केवल खतरनाक है, बल्कि जनता की जान से खिलवाड़ भी है। नेताओं ने याद दिलाया कि 16 फरवरी को कालका की एक स्टील कंपनी और फरीदाबाद अग्निकांड में आग बुझाते समय दो कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए थे। उन्हीं घायल साथियों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर फायर कर्मी 34 दिनों से संघर्षरत हैं।

दलित सफाई कर्मियों के साथ भेदभाव

कर्मचारी नेता रमेश तुषामड, विजय ढाका और वीरू रत्ती ने सरकार की दोहरी नीति पर प्रहार करते हुए कहा कि एक ओर तो सरकार सफाई कर्मियों को कोरोना योद्धा, सफाई इंजीनियर और सफाई वॉरियर जैसे बड़े नामों से नवाजती है, वहीं दूसरी ओर उन्हें ठेका प्रथा के दलदल में धकेल रही है। नेताओं ने बताया कि 20-20 साल से काम कर रहे कर्मियों को पक्का करने के बजाय सरकार लंबी अवधि के ठेके दे रही है। ठेकेदार कर्मियों का मानसिक, शारीरिक और आर्थिक शोषण कर रहे हैं। उन्हें तीन-तीन महीने तक वेतन नहीं मिलता और जब मिलता है, तो वह न्यूनतम मजदूरी से भी कम मात्र 8 हजार रुपये होता है। महंगाई के इस दौर में इतनी कम तनख्वाह में परिवार पालना नामुमकिन हो गया है। यूनियन नेताओं ने आंकड़ों के साथ सरकार को घेरते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में सफाई कर्मचारियों की एक भी पक्की भर्ती नहीं की गई है। यह दर्शाता है कि सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े दलित और अति-दलित सफाई कर्मचारियों के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार अपनी तानाशाही छोड़कर सुप्रीम कोर्ट और पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसलों का सम्मान करे।

विभिन्न संगठनों का मिला समर्थन

कर्मचारियों के इस आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। आज की हड़ताल में रिटायर्ड कर्मचारी नेता ओमप्रकाश चढ़ा, राजाराम टॉक, सीटू नेता बेगराज, पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन से राजेश कुमार और लीला राम, नौजवान सभा के राज्य नेता एडवोकेट शाहनवाज, पार्षद राजू तूडे वाला, पार्षद मोहन लाल नारंग और भगवान वाल्मीकि सेवा समिति ट्रस्ट की टीम ने मौके पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। नेताओं ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अब यह गेंद सरकार के पाले में है। यदि सरकार चाहती है कि जनता गंदगी के ढेर और असुरक्षा के साये में न रहे, तो उसे तुरंत बातचीत के जरिए समाधान निकालना होगा, अन्यथा 14 मई के बाद यह आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा।

फतेहाबाद लघु सचिवालय के एटीएम में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

सुरक्षा इंतजामों की खुली पोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला लघु सचिवालय के मुख्य द्वार पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम की छत पर सोमवार दोपहर शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। इस घटना ने प्रशासनिक परिसर में सुरक्षा इंतजामों और फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई बड़ी जनहानि या आर्थिक नुकसान नहीं हुआ।घटना के अनुसार, सोमवार दोपहर को इलेक्ट्रिक तारों में हुए शॉर्ट सर्किट की चिंगारी छत पर जमा पेड़ों के सूखे पत्तों पर जा गिरी। सूखे पत्तों ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते लपटें छत पर लगे सोलर पैनल तक पहुंच गईं। आसमान में धुआं उठता देख मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तुरंत डायल 112 पुलिस टीम को सूचित किया गया। इसी बीच, मौके पर मौजूद एक युवक ने बहादुरी दिखाते हुए छत पर चढक़र आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टला। युवक लोहे की रॉड (एंगल) से बिजली के तारों और जलते पत्तों को अलग करने की कोशिश करने लगा। बिजली के तारों के संपर्क में लोहे की छड़ होने के कारण उसे करंट लग सकता था।

प्रशासनिक मुस्तैदी और सुरक्षा उपकरणों की कमी

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान प्रशासनिक मुस्तैदी और सुरक्षा उपकरणों की भारी कमी देखने को मिली। जब मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एटीएम और आसपास की दुकानों में अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंगुइशर) की तलाश की, तो कहीं भी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं मिला। न तो एटीएम बूथ के भीतर और न ही किसी नजदीकी दुकान में आग बुझाने का कोई प्रबंध था। अंत में एक व्यक्ति लघु सचिवालय के भीतर से अग्निशामक यंत्र लेकर आया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

बिभा सेफ्टी किट के ही छत पर चढ़ा फायरकर्मी

आग बुझने के बाद दमकल विभाग की गाड़ी भी मौके पर पहुंची। हालांकि, यहां भी लापरवाही का आलम यह रहा कि फायर ब्रिगेड का कर्मचारी बिना किसी सुरक्षा उपकरण या सेफ्टी किट के ही छत पर चढ़ गया। जब नीचे से पानी की पाइप ऊपर पहुंचाने की कोशिश की गई, तब तक आग पूरी तरह बुझ चुकी थी। लघु सचिवालय जैसे संवेदनशील स्थान पर, जहां प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में आम नागरिक अपने कार्यों के लिए पहुंचते हैं, वहां इस तरह की लापरवाही गंभीर सवाल खड़े करती है।

बैंक खाते में गलती से आए 2.20 लाख रुपये डकारने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने आर्थिक अपराधों के खिलाफ अपनी सख्ती बढ़ाते हुए एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने बैंक की गलती से अपने खाते में आई बड़ी धनराशि को ईमानदारी से लौटाने के बजाय उसे अवैध रूप से हड़प लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान फतेहाबाद के गांव चिन्दड निवासी संदीप, पुत्र रामेश्वर के रूप में हुई है। सोमवार को थाना शहर प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र ने बताया कि मामले का खुलासा तब हुआ जब एचडीएफसी बैंक, अनाज मंडी शाखा के प्रबंधक विजय सिंह ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। शिकायत के अनुसार, 28 अक्टूबर 2024 को बैंक की एक फर्म ग्राहक मैसर्स वेद प्रकाश एंड संस ने 2 लाख 20 हजार रुपये की नकदी जमा करवाई थी। हालांकि, कैशियर की मानवीय चूक के कारण यह राशि गलती से आरोपी संदीप के खाते में ट्रांसफर हो गई। अदालत ने पुलिस को मामला दर्ज करने के आदेश दिए।

हाथ से मैला ढोने वालों से मुक्त घोषित हुआ फतेहाबाद जिला

फतेहाबाद। जिला फतेहाबाद में वर्ष 2024-25 के दौरान हाथ से मैला ढोने वालों की पहचान के लिए व्यापक सर्वेक्षण अभियान चलाया गया। सर्वेक्षण के दौरान जिले की सभी ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर जांच की गई, जिसमें हाथ से मैला ढोने का कोई भी मामला सामने नहीं आया। इस आधार पर जिला फतेहाबाद को हाथ से मैला ढोने वालों से मुक्त जिला घोषित किया गया है। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण एवं स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण द्वारा जारी जानकारी के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अभी भी मैनुअल स्कैवेंजर अर्थात हाथ से मैला ढोने वाली गतिविधि में संलिप्त है और सर्वेक्षण में उसका नाम शामिल नहीं हो पाया है, तो उसे पंजीकरण का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

ड्राइवर को नींद आने से स्कूल गेट में घुसा ट्राला

छुट्टी से कुछ ही देर पहले हुआ हादसा, बच्चों की जान बची, पुलिस ने मौके का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अयाल्की के पास दुर्घटनाग्रस्त ट्राला।

रतिया रोड स्थित गांव अयाल्की में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया। रतिया की तरफ से फतेहाबाद आ रहे तेज रफ्तार ट्राला ड्राइवर ने गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य गेट में जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि हादसे के समय गेट के पास कोई छात्र या स्कूल स्टाफ मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि टल गई। हालांकि, स्कूल का मेन गेट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही वहां से गुजर रही बिजली की तारें भी झूल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्राला ड्राइवर रतिया से फतेहाबाद की ओर जा रहा था। गांव के स्कूल के पास बने ब्रेकर पर पहुंचते ही ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई, जिससे ट्राले का संतुलन बिगड़ गया। अनियंत्रित ट्राला सड़क से उतरकर सीधे स्कूल के मुख्य गेट में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सीमेंट का गेट टूटकर दूर तक बिखर गया। बाद में गेट के पास खड़े पेड़ से टकराकर ट्राला रुक पाया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उस समय स्कूल की छुट्टी होती या छात्र गेट के पास खड़े होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों के अनुसार, इसी गेट से तीन स्कूल के बच्चे निकलते हैं। यह हादसा स्कूल की छुट्टी होने से कुछ ही देर पहले हुआ।

किसानों ने पूर्व सीएम हुड्डा का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

भारतीय किसान एकता बीकेई के बैनर तले किसानों ने सोमवार को लघु सचिवालय में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का पुतला फूंका गया। किसानों ने आरोप लगाया कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा तीन कृषि कानूनों की वापसी का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी को देना किसान आंदोलन और उसमें शहीद हुए किसानों का अपमान है। लखविंद्र सिंह ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीनों काले कृषि कानूनों के खिलाफ देशभर के किसानों ने ऐतिहासिक संघर्ष किया। 378 दिनों तक किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, हजारों किसानों पर मुकदमे दर्ज किए गए तथा लगभग 750 किसानों ने अपनी शहादत दी। किसानों के लंबे संघर्ष और भारी जनदबाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर देश से माफी मांगते हुए तीनों काले कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस नेताओं द्वारा यह कहना कि कृषि कानून राहुल गांधी के कारण वापस हुए, पूरी तरह झूठा और किसान संघर्ष का अपमान है। उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा से सार्वजनिक रूप से किसानों से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि किसान समाज अपने शहीद साथियों के अपमान को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अंग्रेज सिंह कोटली, गुरप्रीत संधू, गुरप्रीत जैलदार, जगतार बराड़, गुरजीत मान, नत्था सिंह झोरड़ रोही, विनोद मोड़ावाली, राजू सिंह, महावीर गुडियाखेड़ा, राकेश खारिया, गुरसेवक सिंह वीरूवाला, बलकार सिंह शिरा सिंह, आदि किसान मौजूद थे।

परीक्षाओं के मद्देनजर धारा 163 लागू करने के दिए आदेश

फतेहाबाद। जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने जिला में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा की स्नातक व स्नातकोत्तर (यूजी व पीजी) की परीक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से संपन्न कराने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 के तहत धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किये हैं। जिला में 26 जून तक चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा द्वारा जिला के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में ये परीक्षाएं आयोजित होंगी। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों की 500 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के हथियार ले जाने, किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति के परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा।

गंदगी के ढेर पर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र को नई धर्मशाला में किया शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

सिरसा। नई धर्मशाला में शिफ्ट किया गया आंगनवाड़ी केंद्र।

गांव घुकांवाली में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में कूड़ा कर्कट के ढेर लगे होने के कारण नन्हें बच्चों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है। समाचार प्रकाशित होने के बाद गांववासियों में आक्रोश पैदा हो गया और इसकी शिकायत चेयरपर्सन चंडीगढ़ तक पहुंच गई और विभाग व ग्राम पंचायत को आंगनवाड़ी शिफ्ट करने के लिए कहा गया। जिसपर तत्काल कारवाई करते हुए महिला सरपंच स्वर्णजीत कौर ने उसके नजदीक ही स्तिथ एक धर्मशाला की सफाई करवाकर आज सोमवार को आंगनवाड़ी का सामान नई धर्मशाला में रखवा दिया और बिजली व पानी की व्यवस्था भी करवा दी। ग्राम पंचायत द्वारा की गई कार्रवाई को देखकर नन्हें बच्चें व उनके अभिभावक बड़े खुश दिखाई दिये और उन्होंने ग्राम पंचायत का धन्यवाद किया।

नायब तहसीलदार के खिलाफ फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया तहसील में तैनात नायब तहसीलदार के खिलाफ किसानों का गुस्सा एक बार फिर फूट पड़ा है। भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ ने जिला प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए 13 मई को तहसील परिसर में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। किसानों का स्पष्ट कहना है कि प्रशासन भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देना बंद करे, अन्यथा आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा। यूनियन के प्रवक्ता राम जाट ने कड़े शब्दों में प्रशासन की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि फतेहाबाद की उपायुक्त ने पहले तहसीलदार के तबादले का आश्वासन दिया था। हालांकि, काफी समय बीत जाने के बाद भी अधिकारी का तबादला नहीं किया गया, जिससे किसानों में भारी रोष है।

अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप

प्रवक्ता ने कहा कि प्रशासन के ढुलमुल रवैये से ऐसा प्रतीत होता है कि वे भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रहे हैं, जिसे किसान संगठन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। विवाद की जड़ नायब तहसीलदार विचित्रनंद का किसानों के प्रति कथित अभद्र व्यवहार और भ्रष्टाचार के आरोप हैं। 13 मार्च को भी किसानों ने इस मुद्दे को लेकर तहसील कार्यालय में धरना दिया था। मामला तब गरमाया जब ढाणी जाखन दादी के पूर्व सरपंच बलविंदर सिंह किसी कार्य के सिलसिले में अधिकारी से मिले, लेकिन आरोप है कि नायब तहसीलदार ने उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। इस घटना के बाद यूनियन के प्रतिनिधियों ने एसडीएम सुरेंद्र सिंह से मुलाकात कर जांच और तबादले की मांग की थी। उस समय स्थिति को संभालने के लिए नायब तहसीलदार को 20 मार्च तक अवकाश पर भेज दिया गया था। लेकिन अब उनके वापस ड्यूटी पर लौटने और फिर से व्यवहार संबंधी शिकायतें मिलने के बाद किसान संगठन ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। यूनियन के अध्यक्ष जरनैल सिंह मलवाला ने दो टूक कहा कि एक जनसेवक का दायित्व जनता की समस्याओं को सुलझाना है, न कि उनका अपमान करना। उन्होंने चेतावनी दी कि 13 मई का प्रदर्शन केवल शुरुआत है।

कर्मचारियों का रोष प्रदर्शन, 11 जून को मंत्री गंगवा के आवास के घेराव की चेतावनी

ग्रामीण जलघरों को पंचायतों के अधीन करने का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन ने सोमवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी परिमंडल सिरसा कार्यालय के समक्ष रोष प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में सर्किल सिरसा के अधीन आने वाले जिला सिरसा और फतेहाबाद के पदाधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान कर्मचारियों की मांगों से संबंधित ज्ञापन कार्यकारी अभियंता के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम भेजा गया। यूनियन के प्रांतीय प्रधान नरेंद्र धीमान और प्रांतीय महासचिव अमरीक सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण जलघरों को ग्राम पंचायतों के अधीन करने का निर्णय कर्मचारियों और जनता दोनों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी जलघरों को पंचायतों के अधीन किया गया था, लेकिन रखरखाव और पेयजल गुणवत्ता को लेकर पंचायतें पूरी तरह विफल रही थीं।

सिरसा। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर रोष जताते।

हजारों कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

नेताओं ने सरकार से मांग की कि कर्मचारियों के भारी रोष को देखते हुए इस निर्णय को तुरंत वापस लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो प्रदेशभर में ज्ञापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 11 जून को हजारों कर्मचारी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा के हिसार स्थित आवास का घेराव करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की होगी। कर्मचारियों ने अन्य मांगों में डब्ल्यूपीओ सेकंड एवं चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों को 25,500 रुपये वेतनमान देने, वर्ष 2020-23 का एलटीसी जारी करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, एक्सग्रेसिया नीति व कैशलेस मेडिकल सुविधा को पूर्ण रूप से लागू करने तथा एमपीडब्ल्यू एवं कौशल कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा गारंटी देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई।

हरिभूमि
सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

बचपन को शीतल छांव देते पारिवारिक मूल्य

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

इस बार अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम है- परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण। बाल कल्याण के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है, परिवार में पारिवारिक मूल्य हों। इस तरह के स्वस्थ और खुशगवार माहौल में बच्चे अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे, उनका सर्वांगीण विकास होगा।

छीजते पारिवारिक मूल्य आज एक बड़ी चिंता बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा खामियाजा नई पीढ़ी को भोगना पड़ रहा है। परिवार के बिखराव ने बच्चों से बड़ों का स्नेह और सहज सुरक्षा की छांव छीन ली है। आपाधापी में गुम अभिभावक और छोटे होते जाते परिवारों के इस दौर में बच्चों की मासूमियत खो रही है। बालमन की मनुहार करने का माहौल कहीं गुम हो गया है। सही मार्गदर्शन देने वाला अपनेपन का परिवेश नहीं बचा है। वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम फैमिली सिस्टम के बदलते पैटर्न और बचपन को सहेजने वाले विषय पर ही केंद्रित है। इस साल का विषय 'फैमिलीज, इनइक्वेलिटी एंड चाइल्ड वेलबीइंग' है। असल में परिवार, असमानता और बच्चों का वेलफेयर आपस में गहराई से जुड़े हैं। ऐसे में पारिवारिक मूल्य और सामंजस्यपूर्ण परिवेश ही नई पीढ़ी को सही सुरक्षा और संबल दे सकता है।

पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी सुरक्षा

चाइल्ड वेलबीइंग का सबसे अहम पहलू है- सुरक्षा। बच्चों की हिफाजत के मोर्चे पर परिवार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। नवजात की देखभाल से लेकर टीन एज के बदलावों भरे पड़ाव तक, अपने आंगन में मिली सुरक्षा की छांव से बढ़कर कुछ नहीं होता। हर परिस्थिति में परिवारजनों से मिला स्नेह अनमोल होता है। तकलीफदेह है कि सुरक्षा का यह साया अब सिमट रहा है। पारिवारिक मूल्य का खत्म होना इसकी सबसे बड़ी वजह है। ध्यान रहे कि परिवार से मिले जीवन मूल्य बच्चों का मन थामने का काम करते हैं। बड़ों के बर्ताव में बच्चों की सेफ्टी से जुड़ा साझा भाव लाते हैं। इस वैल्यू सिस्टम के खत्म होने से बच्चों में अपराध, अकेलापन, अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े बढ़े हैं। यह स्थिति समग्र समाज में भयभीत करने वाली है। वहीं दूसरी ओर बहुत से परिवारों में अपने ही बच्चों के मन-जीवन को घाव देने लगे हैं, जिससे अविश्वास का परिवेश बन रहा है। कुल मिलाकर पारिवारिक मूल्यों के फीके पड़ते रंग नई पीढ़ी को असुरक्षा के स्याह घेरे में ला रहे हैं। सामने आने वाली घटनाएं भी बताती हैं कि असमानता को झेलने वाले कमजोर परिवारों में बच्चे अधिक असुरक्षित होते हैं। निम्न आय वर्ग वाले घरों में पैरेंट्स अपने बच्चे की शिक्षा और मूल्यों से पहले रोजी-रोटी के बारे में सोचते हैं। यही वजह है कि चाइल्ड वेलबीइंग के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश भी आवश्यक है।

सरोकारी सोच को बल

इंटरनेशनल-डे ऑफ फैमिलीज, परिवार के प्रति प्रेम और समर्पण को रेखांकित करने के साथ ही सामाजिक संरचना में परिवार की भूमिका को याद करने के लिए भी मनाया जाता है। पारिवारिक मूल्य ही सोशल सिस्टम में परिवार के रोल को महत्वपूर्ण बनाते हैं। देखने में आ रहा है कि पारिवारिक मूल्यों का सिमटना, सरोकारी सोच और समानता के भाव को भी कम कर रहा है। किसी भी स्तर पर असमानता और जिम्मेदार सोच की कमी व्यक्तिगत जीवन ही नहीं, समाज और देश के लिए भी नुकसानदेह है। ऐसे में समाज, देश और स्वयं इंसानों के अस्तित्व को बचाने के लिए भी पारिवारिक मूल्यों को बचाना आवश्यक है। फैमिली सिस्टम में समानता का होना, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर सहजता का परिवेश बनाता है। 'जरनल ऑफ एडोल्सेंस' में छपी रिसर्च के मुताबिक गरीब पृष्ठभूमि वाले परिवार के बच्चों को विशेष मदद की दरकार होती है। ऐसे बच्चे जानकारी जुटाने में भी कमजोर होते हैं। उनमें भावनात्मक और व्यावहारिक परेशानियां अधिक होती हैं। अभावों के बीच पलने वाले बच्चे डिप्रेशन और एंग्जाइटी के ज्यादा शिकार हो सकते हैं। ऐसे में पारिवारिक परिवेश में सरोकारी समझ पोसने के साथ ही आय, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की इनइक्वेलिटी मिटाने का संदेश देने वाली इस वर्ष की थीम बहुत अहम है। बच्चों को बेहतर जीवन देने के लिए समानता का धरातल बनाते हुए परिवारों को मजबूत सामाजिक और आर्थिक सहायता सिस्टम से जोड़ने के प्रयास भी किए जाएंगे। स्पष्ट है कि पारिवारिक सिस्टम को मजबूती दिए बिना बच्चों को सुरक्षित भविष्य नहीं दिया जा सकता। ऐसे में जिन परिवारों के हालात कमजोर हों, समाज की सरोकारी सोच हर तरह से सहारा दे सकती है।

चुनौती और चेतावनी

आज के समय में एक ओर पारिवारिक मूल्यों को बचाना चुनौती है तो दूसरी ओर इनसे बढ़ती दूरी एक बड़ी चेतावनी है। इस स्थिति से जूझने के लिए हर परिवार को अवेयर होना होगा। नई पीढ़ी को पारिवारिक मूल्यों के सिखाने के साथ ही, सामाजिक लेवल पर भी बराबरी और आपसी समझ का परिवेश बनाना होगा। यूं भी अच्छे पारिवारिक मूल्य ही अच्छा समाज बनाते हैं। सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र बनाता है। आम से लगने वाले ये नैतिक दिशा-निर्देश सदा से ही खास मानवीय भावों को खाद-पानी देते हैं। स्वस्थ जीवन और स्पष्ट-सधी सोच वाले नागरिक बनाते हैं। मौजूदा दौर की अधिकतर समस्याओं का हल फैमिली सिस्टम के जुड़ाव से निकाला जा सकता है।

मनोबल बढ़ाते पारिवारिक मूल्य

बाल कल्याण और विकास के लिए ही नहीं, बच्चों के दिलो-दिमाग को सही दिशा देने के लिए भी पारिवारिक मूल्य बहुत महत्वपूर्ण हैं। परिवार से मिले संस्कार बच्चों का व्यक्तित्व और विचार दोनों बनाते हैं। पारिवारिक संस्कार न केवल चुनौतियों का सामना करने बल्कि दूसरों की भावनाओं की कद्र करने की संवेदनशीलता भी लाते हैं। इमोशनली स्वस्थ रखते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्ययन के मुताबिक बच्चे हों या वयस्क, परिवार का समर्थन दोनों के भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परिवार ही बच्चों को सोशल स्किल्स सीखाता है। परिवार से मिलने वाले गाइडलाइंस अपने देश से जोड़ने वाली सही समझ पोसते हैं। बच्चों को पालन-पोषण की जिम्मेदारी उठाने के साथ आगे बढ़ने के लिए संसाधन भी परिवार ही देता है। फैमिली से मिला साथ-स्नेह और मार्गदर्शन देश के भावी नागरिकों के जीवन को मनोबल की मजबूत बुनियाद देता है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट का रिसर्च कहता है कि परिवार के नजदीकी संबंध इंसान को खुशहाल बनाते हैं। फिर नई पीढ़ी के लिए तो परिवार ही पूरा संसार होता है। इस संसार में करीबी अपनों से मिली हर सार्थक सीख जिंदगी को हिम्मत से जीने का बल देती है। नेशनल काउंसिल ऑफ फैमिली रिलेशंस के मुताबिक, 'पारिवारिक मूल्य इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे सुरक्षा, मार्गदर्शन, स्नेह और समर्थन के स्रोत के रूप में एक आधार प्रदान करते हैं। पारिवारिक मूल्य सिखाकर बच्चों को भविष्य में गलत निर्णय लेने से बचाया जा सकता है।'

मिड एज में दिखेंगी स्मार्ट

अकसर बढ़ती उम्र में महिलाएं सोचने लगती हैं कि अब सजने-संवरने की उम्र बीत गई, अब सजे-संवरे तो लोग क्या कहेंगे? लेकिन आप अगर स्मार्ट लुक मेंटेन करती हैं तो आपकी पर्सनालिटी निखरने के साथ ही आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। इसके लिए क्या करें, जानिए।

जीवनशैली
प्रतिभा अग्निहोत्री

अकसर 45-50 की उम्र पार करते ही महिलाएं यह कहते सुनी जाती हैं, 'अरे इस उम्र में क्या सजना-संवरना!' देखा जाए तो उम्र सिर्फ एक नंबर होता है, आप किसी भी उम्र की हों सजना, संवरना, फैशनेबल ड्रेस पहनना न सिर्फ आपका अधिकार है बल्कि आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाने के लिए भी बहुत आवश्यक है। उम्र के हर पड़ाव पर मौसम, फैशन और अवसर के अनुकूल स्टाइल करके आप हर कहीं स्मार्ट-अट्रैक्टिव दिख सकती हैं।

उम्र को भूल जाएं: कोई ड्रेस पहनते समय अपनी उम्र को याद रखने की जगह इसे भूल जाएं। जो भी फैशन और स्टाइल करने का आपका मन कर रहा है, उसे बिना हिचक के अपनाएं। लोग क्या कहेंगें की परवाह किए बिना अपने दिल की सुनें, क्योंकि आप चाहे जो भी करें लोगों को तो कुछ न कुछ कहना ही होता है।

मनमाफिक हो ड्रेस कलर: मिड एज की महिलाएं आमतौर पर मानती हैं कि इस उम्र में डार्क कलर्ड ड्रेसेस अच्छी नहीं लगती हैं। ऐसी सोच सही नहीं है। आप ब्लैक, नेवी ब्लू, मैरून और डार्क ग्रीन जैसे कलर्स की ड्रेसेस बेफिक्र होकर पहनें। ये आप पर बहुत फबेंगे। ध्यान रखिए कि उम्र का रंग से कोई संबंध नहीं होता। आप हर उस कलर की ड्रेस को पहन सकती हैं, जो आपको पसंद हो और आपकी पर्सनालिटी को आकर्षक बनाए।

अपने वजन पर रखें कंट्रोल: उम्र बढ़ने के साथ-साथ अकसर महिलाएं अपने बढ़ते वजन के प्रति भी लापरवाह हो जाती हैं। अपनी डाइट को कंट्रोल में रखने के साथ-साथ प्रतिदिन योगा, वॉकिंग और व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, जिससे आपका शरीर एक्टिव और वजन नियंत्रण में रहेगा। इससे हर तरह की ड्रेस आप पर सूट करेगी। आप स्मार्ट नजर आएंगी।

फैशन का रखें ध्यान: आजकल बड़े ज्योमेट्रिकल, फ्लोरल और पोल्का डॉट्स प्रिंट के साथ-साथ हैवी एंब्रॉयडरी वाले प्रिंट्स वाली ड्रेसेस भी खूब चलन में हैं। आप इनमें से किसी भी प्रिंट के आउटफिट का चुनाव कर सकती हैं। आजकल कोर्ड सेट भी फैशन में हैं, इन्हें पहनकर आप फैशनेबल ही नहीं स्टाइलिश भी लगेंगी।

हेयर स्टाइल से नया लुक: आउटफिट के साथ-साथ हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आमतौर पर मिडएज महिलाएं चोटी या जूड़ा बांधना पसंद करती हैं। इसकी जगह खुले बाल या लेयर्ड और शॉर्ट हेयर कट से आप अपने बालों को नया लुक दे सकती हैं। इससे बढ़ी उम्र में भी आप यंग और स्मार्ट लगेंगी। बालों के वॉल्यूम को बढ़ाने के लिए हमेशा अच्छे ब्रांडेड हेयर प्रोडक्ट्स का ही प्रयोग करें। इससे आपके बाल कमजोर नहीं होंगे और उनकी शाइन बनी रहेगी, जो आपकी बढ़ी उम्र को कम करके दिखाएगी।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- मेकअप ऐसा करें, जो आपके कॉम्प्लेक्शन को निखारे और आपकी पर्सनालिटी को यंग लुक दे।
- अपने आउटफिट और अवसर के अनुकूल ऑक्सिडाइज्ड, गोल्ड, सिल्वर या एंटीक ज्वेलरी पहन सकती हैं।
- आपके ओवरऑल लुक पर फुटवियर भी अफेक्ट करता है, आप ब्लॉक हील, हाई हील, किटेन हील या फिर स्नीकर्स को पहन सकती हैं।
- मिड एज में भी आप अपनी कोई भी मनपसंद आउटफिट पहन सकती हैं, बशर्ते उसे पहनकर अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें।
- आउटफिट से मैच करता कोई भी स्लिंग या साइड बैग आपकी लुक को यंग टच देगा।

लिविंग रूम घर का एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर फैमिली मेंबर्स आराम से बैठकर टाइम स्पेंड करते हैं, रिलैक्स होते हैं। अगर आप चाहती हैं आपका लिविंग रूम, कंफर्टेबल होने के साथ स्टाइलिश भी दिखे तो यहां दिए जा रहे सजेशंस आपके लिए यूजफुल हो सकते हैं।

स्टाइल-कंफर्ट का कॉम्बिनेशन आपका लिविंग रूम दिखेगा अट्रैक्टिव

इंटीरियर
ललिता गोयल

अगर घर में सुकून के कोने की बात करें तो वह लिविंग रूम ही होता है। लिविंग रूम किसी भी घर का दिल होता है। यही वह जगह होती है, जहां न केवल आप मेहमानों का स्वागत करती हैं, शाम या फुर्सत के पलों में परिवार के साथ सुकून के पल बिताती हैं। दिन भर की बातों को एक-दूसरे के साथ शेयर करते हैं। ऐसे में घर के इस खास जगह का इंटीरियर सुकून भरा होना और स्पेशल होना भी जरूरी हो जाता है। आइए जानते हैं कुछ आसान तरीके, जिनसे आप अपने लिविंग रूम को बना सकती हैं, स्टाइल और सुकून का परफेक्ट कॉम्बिनेशन।

कुशन कवर: लिविंग रूम को हल्के और कंट्रास्ट कलर के अलग-अलग टेक्सचर और पैटर्न वाले कुशन कवर से रिच लुक दें। यह बदलाव पूरे कमरे की वाइब बदल देता है।

फर्नीचर का प्लेसमेंट: लिविंग रूम का फर्नीचर ऐसा रखें, जो आपस में कलेक्टेड हो लेकिन यह रूम में चलने-फिरने की जगह को न रोके।

कलर ऑप्शस: अगर लिविंग रूम छोटा है, तो व्हाइट, क्रीम या लाइट ग्रे कलर चुनें। इससे कमरा बड़ा और प्यारा दिखता है।

दीवारें: खाली दीवारें रूम को बोरिंग बनाती हैं। दीवारों पर पुराने फोटो फ्रेम या प्रिंटेड पोस्टर लगाएं। आप फैमिली फोटो का कोलाज या कुछ बजट-फ्रेंडली पेंटिंग्स से भी डेकोरेट कर सकती हैं। पुरानी कांच की कुछ बोतलों को खुद से पेंट करके इनमें लाइट लगाकर अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

इंडोर प्लांट्स: ग्रीनरी हमेशा लग्जरी फील देती है। इंडोर प्लांट्स न सिर्फ खाली कोनों को लाइटअप करते हैं, बल्कि हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं। इसके लिए इंडोर प्लांट्स जैसे मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या एलोवेरा एकदम परफेक्ट रहते हैं। ये न केवल हवा को शुद्ध करते हैं, बल्कि कमरे के खाली कोनों को एक नेचुरल और प्रीमियम लुक भी देते हैं। इंडोर प्लांट्स को पुराने चाइना कप में लगाकर सजाया जा सकता है। अगर जगह कम है, तो आप हैंगिंग पॉट्स का ऑप्शन भी चुन सकती हैं।

मॉडर्न थीम: यह थीम उन लोगों के लिए होती है, जो स्टाइल और लग्जरी पसंद करते हैं। इसमें डेकोरेशन का सामान सीधी लाइंस और जियोमेट्रिक आकारों का होता है। रंगों की बात करें तो ब्लैक, व्हाइट, ग्रे और मेटल (गोल्ड या क्रोम) फिनिश कलर्स का अधिक यूज किया जाता है। कम ऊंचाई वाले सोफे और कांच या मार्बल टॉप वाली टेबल्स से रूम को सजाया जाता है। यह थीम देखने में बहुत ही पॉलिश्ड और क्लासी लगती है।

ट्रेडिशनल-एथनिक थीम: अगर आपको भारतीय संस्कृति और कला से लगाव है और आप इस थीम से लिविंग रूम डेकोरेट करना चाहती हैं तो नक्काशीदार लकड़ी का फर्नीचर और पीतल के सजावटी सामान से लिविंग रूम को सजाएं। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग का कलर डार्क और वाइब्रेंट जैसे मैरून, यलो, सेफ्रॉन या डार्क ग्रीन रखें। दीवारों पर मधुबनी या वारली पेंटिंग्स, फर्श पर हाथ से बुने कालीन और पारंपरिक दीए से रूम को सजाएं।

मिनिमलिस्ट थीम: यह थीम छोटे अपार्टमेंट्स के लिए बेहतरीन है। लिविंग रूम में केवल उतना ही फर्नीचर और सामान रखें, जितनी जरूरत हो। इससे कमरा बहुत खाली और शांत महसूस होता है। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग के लिए व्हाइट, क्रीम और लाइट पेस्टल शेड्स का एक ही कलर चुनें।

(इंटीरियर डिजाइनर मेघा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

स्किन की करें प्रॉपर केयर फेस रहेगा पिंपल्स-फ्री

स्किन केयर
निधि गोयल

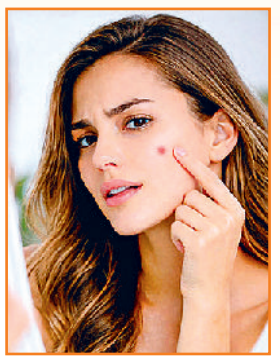

आपकी त्वचा साफ-सुथरी और चमकदार तभी नजर आती है, जब आप अपनी त्वचा का ख्याल सही तरीके से रखती हैं। ज्यादातर महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं, जिस कारण उनके चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। ये मुंहासे फेशियल अपीयरेंस को बिगाड़ देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि अपनी त्वचा की देखभाल ऐसे करें, जिससे आपकी त्वचा मुंहासों से बची रहे।

फेसवॉश से चेहरे को साफ करें: सबसे जरूरी है कि आप अपने चेहरे को नियमित अच्छी तरह से साफ करें। धूल, मिट्टी चेहरे पर चिपकने के कारण मुंहासे होने की आशंका बढ़ जाती है। आपको दिन में कम से कम दो बार चेहरा अच्छी तरह साफ करना चाहिए। त्वचा के अनुसार ही फेसवॉश का इस्तेमाल करें, क्योंकि सेंसिटिव स्किन पर हर तरह का फेस वॉश सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा को ध्यान में रखते हुए फेस वॉश को खरीदें। बार-बार चेहरे को हाथों से छूने से बचें, क्योंकि जब आप चेहरे पर बार-बार हाथ लगाती हैं तो हाथों की गंदगी और बैक्टीरिया चेहरे की त्वचा पर लग जाते है। इससे मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए हाथों को बार-बार चेहरे पर न लगाएं।

खूब पानी पिएं: पानी पीना पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। आपको ध्यान रखना चाहिए कि पूरे दिन में आपको आठ से दस गिलास पानी पीना है। इससे आपकी बॉडी डिटॉक्स होती है। साथ ही शरीर में से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे त्वचा ग्लो करने लगती है और आपको मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है। आपका चेहरा चमकदार और साफ नजर आने लगता है।

लें न्यूट्रीशस डाइट: अच्छी डाइट लेना हेल्थ के लिए ही नहीं, स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। यदि आप तला-भुना और जंक फूड ज्यादा खाती हैं तो इसका असर आपकी स्किन पर भी दिखने लगता है और आपकी त्वचा पर मुंहासे निकलने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बाहर बिकने वाले स्ट्रीट फूड्स और जंक फूड्स का सेवन बंद कर दें। घर के बने ताजे, पौष्टिक खाने के अलावा फल और सब्जियों का भी अधिक सेवन करें।

तकिए का कवर साफ रखें: अकसर हम रोज जिन चीजों का इस्तेमाल कर रहे होते हैं, वो भी हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। तकिए का कवर भी इनमें से एक है। कवर को दो-तीन दिन के अंतराल पर धो लेना चाहिए, जिससे तकिए के कवर पर जमा गंदगी और तेल आपके चेहरे पर न लग सके, क्योंकि इससे मुंहासे होने का रिस्क कम हो जाएगा।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

जब जाएं डॉक्टर के पास रखें इन बातों का ध्यान

अपनी या किसी अपने की तबियत खराब होने पर जब आप डॉक्टर के पास जाएं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

सजेशन
प्रतिभा

हम सभी को अकसर ही डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। लेकिन कई लोग डॉक्टर के क्लीनिक या हॉस्पिटल जाते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखते हैं। इससे डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ को परेशानी हो सकती है, आपके ट्रीटमेंट में असुविधा हो सकती है या आपके अगल-बगल बैठे दूसरे पेशेंट असहज महसूस कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर कुछ महिलाएं हॉस्पिटल में भी ओवर मेकअप, एक्सपोजर वाली ड्रेसेस या स्ट्रॉन्ग स्मेल वाले परफ्यूम स्प्रे करके पहुंच जाती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो वे किसी हॉस्पिटल में नहीं, फैशन शो या फंक्शन में आई हों। इसी तरह कुछ लोग अपनी बीमारी से जुड़े जरूरी कागजात, पुरानी प्रिस्क्रिप्शन या टेस्ट रिपोर्ट या मेडिकल हिस्ट्री लेकर नहीं जाते हैं। या डॉक्टर के पास ले जाना भूल जाते हैं। पर्याप्त जानकारी के अभाव में डॉक्टर को रोग समझने और इलाज शुरू करने में बहुत परेशानी होती है।

रखें ध्यान: आप जब भी किसी प्रकार की बीमारी का इलाज करवाने डॉक्टर के पास जाएं तो यहां बताई जा रही इन बातों का ध्यान अवश्य रखें।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल फाइल के समस्त कागजों को अपडेट करें और इसे अपने साथ अवश्य ले जाएं, क्योंकि इसके माध्यम से ही डॉक्टर आपकी केस हिस्ट्री जानकर इलाज प्रारंभ कर सकेंगे।
- डॉक्टर के पास जाते समय ड्रेस सलीकेदार पहनें। बहुत टाइट या फैशनेबल ड्रेस पहनने से बचें।
- अगर आपको डेंटल प्रॉब्लम हो तो डेंटिस्ट के पास हमेशा मुंह अच्छी तरह साफ करके जाएं। दांतों के इलाज के दौरान आपको बार-बार पानी से कुल्ला करना पड़ता है, इसलिए अपने साथ एक रूमाल ले जाएं।
- फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाते समय हमेशा लूज ड्रेसेस पहनें। साथ ही क्लोज्ड या हाईनेक गले का कुर्ता या ब्लाउज पहनकर न जाएं क्योंकि ऐसे में आपके कंधे और पीठ पर मशीन लगाने में डॉक्टर को परेशानी हो सकती है। फिजियोथेरेपी के लिए साड़ी पहनकर जाने से भी बचें। यदि आप सलवार-सूट नहीं पहनती हैं तो साड़ी के अंदर लेगिंग्स या पैंट पहनकर जाएं ताकि आप पैर और कमर की एक्सरसाइज के दौरान सहजता से ऊपर उठा सकें।

- गायनी संबंधित प्रॉब्लम होने पर गायनेकोलॉजिस्ट के पास जाने से पहले अपने प्राइवेट पार्ट्स को अच्छी तरह साफ करके और साड़ी पहनकर ही जाएं। इससे डॉक्टर को चेकअप करने में सुगमता रहती ही है।
- पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाने जाते समय फुल स्लीव्स की टाइट ड्रेस के बजाय हाफ स्लीव या लूज ड्रेस पहनकर ही जाएं ताकि बांह से सुगमता से ब्लड सैंपल लिया जा सके।
- डॉक्टर के पास कभी-भी हैवी ज्वेलरी पहनकर और मेकअप करके न जाएं।
- एक्स-रे, सीटी स्कैन या एम.आर.आई. करवाने जाते समय किसी भी प्रकार की धातु का गहना, सेफ्टी पिन, हेयर पिन या हेयर बैंड आदि न पहनें।
- डॉक्टर के पास जाने से पहले घर पर शांति से बैठकर अपनी समस्याओं के बारे में अच्छी तरह सोच लें, ताकि आप डॉक्टर को विस्तार से अपनी समस्या के बारे में बता सकें। इसके आधार पर ही डॉक्टर आपका इलाज प्रारंभ कर सकेंगे। डॉक्टर को अपनी समस्या से जुड़ी छोटी से छोटी बात और लक्षण के बारे में जरूर बताएं।

(जे. पी. हॉस्पिटल, भोपाल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर सुधा अस्थाना से की गई बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

चोरी की वारदात सुलझी दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। जिले के गांव दड़बी में एक मकान से आभूषण व नकदी चोरी की वारदात को सुलझाते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरीशुदा बालियां भी बरामद कर ली है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान संदीप व अमरपाल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गांव दड़बी निवासी गिरधारी लाल ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई कि अज्ञात लोग उसके घर का ताला तोड़ कर सोने की बालियां व करीब 70 हजार रुपये की नकदी चुराकर ले गए हैं। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्जकर जांच शुरू की।

आरटीए सचिव संजय बिश्नोई ने सुनीं शिकायतें

फतेहाबाद। सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आरटीए सचिव संजय बिश्नोई ने समाधान शिविर में पहुंचे नागरिकों की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान के लिए बैठक में मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं को आम नागरिक के द्वार तक पहुंचाना और प्रशासनिक बाधाओं को दूर करना है। उन्होंने उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण एक समयबद्ध प्रक्रिया है, इसलिए सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित समयावधि के भीतर ही प्रत्येक मामले का समाधान निकाला जाए।

रतिया में 'अनहद में विश्राम' साधना शिविर संपन्न

रतिया। शहर के बुढलाडा रोड स्थित जैन समाधि प्रांगण में आनंदम फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय तल का चार दिवसीय 'अनहद में विश्राम' साधना शिविर श्रद्धा, उल्लास और आत्मीयता के साथ संपन्न हुआ। महर्षि आलोक के सान्निध्य में संपन्न इस शिविर ने साधकों को भीतर की शांति और जीवन के गूढ़ रहस्यों से साक्षात्कार कराया। महर्षि आलोक ने साधकों को प्रतिदिन एक घंटा साधना का संकल्प लेने की प्रेरणा दी। शिविर के समापन पर साधकों ने भाव-विभोर होकर एक-दूसरे को गले लगाया और अनहद आनंद की अनुभूति साझा की। इस आध्यात्मिक महोत्सव में पंजाब, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश सहित देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों साधकों ने भाग लेकर अपनी अंतर्यात्रा को नई दिशा दी।

पुलिस लाइन फतेहाबाद के योग शिविर, तनावमुक्त जीवन का दिया संदेश

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवनशैली : सुरेंद्र कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस लाइन फतेहाबाद में आज पतंजलि योग समिति फतेहाबाद के सहयोग से योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए उन्हें तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। योग शिविर के दौरान पतंजलि योग समिति के योगाचार्य सुरेंद्र कुमार एवं योगाचार्य बजरंग लाल ने पुलिस कर्मियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया। सत्र की शुरुआत सूक्ष्म व्यायाम से की गई, जिसके पश्चात अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भस्त्रिका जैसे प्राणायाम तथा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन सहित कई आसनों का अभ्यास कराया गया। योगाचार्यों ने विस्तार से बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा कार्यक्षमता में सकारात्मक वृद्धि होती है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण एवं तनावपूर्ण होता है, ऐसे में योग जैसी प्राचीन भारतीय पद्धति पुलिस कर्मियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस कर्मचारी नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, तो वे न केवल शारीरिक रूप से फिट रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनेंगे, जिससे उनके कार्य निष्पादन में भी सुधार आएगा। योगाचार्य सुरेंद्र कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखती है। वहीं योगाचार्य बजरंग लाल ने उपस्थित पुलिस कर्मियों को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग करने का संदेश देते हुए कहा कि इससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रहता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग के महत्व को समझते हुए इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

फतेहाबाद। पुलिस लाइन में योगाभ्यास करते कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

हड़ौली में पुलिस ने 575 छात्रों को किया साइबर ठगी और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूक

फतेहाबाद। बदलती डिजिटल दुनिया में बढ़ते अपराधों और सामाजिक कुरीतियों को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस का अभियान जारी है। इसी कड़ी में महिला सुरक्षा टीम और साइबर थाना पुलिस ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हड़ौली में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस शिविर में विद्यालय के करीब 575 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और सुरक्षा के गुर सीखे।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंची महिला सहायक उप-निरीक्षक सुनीता ने विद्यार्थियों को विस्तार से बताया कि कैसे एक छोटी सी लापरवाही उन्हें साइबर अपराधियों का शिकार बना सकती है। उन्होंने छात्रों को स्पष्ट संदेश दिया कि अपना बैंक ओटीपी, सोशल मीडिया पासवर्ड या कोई भी निजी पिन किसी अनजान शख्स के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर उन्होंने सतर्क किया कि प्राइवेसी सेटिंग्स का विशेष ध्यान रखें और किसी भी संदिग्ध लिंक या अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट के जाल में न फंसें। उन्होंने बच्चों को साइबर बुलिंग के खिलाफ मुखर होने और तुरंत माता-पिता या पुलिस को सूचित करने के लिए प्रेरित किया। साइबर सुरक्षा के अलावा, पुलिस टीम ने सामाजिक सुधार पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों ने न तो दहेज लेने और न ही दहेज देने की शपथ ली।

फतेहाबाद। हड़ौली स्कूल में छात्रों को जागरूक करते उपनिरीक्षक सुनीता।

नशा तस्करों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

चूरापोस्त व नशीली गोलियों सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

- एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के अभियान के तहत फतेहाबाद जिला पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों में तीन बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। इन ऑपरेशनों के दौरान पुलिस ने तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है।

पहली कार्रवाई

पहली बड़ी कार्रवाई सीआईए फतेहाबाद की टीम ने उपनिरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में रतिया क्षेत्र के गांव भूंदड़वास के पास की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने महमड़ा निवासी हेतराम उर्फ हेतु को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 54 किलो 100 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ, जिसकी बाजार में कीमत करीब 8 लाख 15 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ थाना सदर रतिया में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी हेतराम के खिलाफ हरियाणा और पंजाब के विभिन्न थानों में पहले से ही नशा तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं।

दूसरी कार्रवाई

दूसरी कार्रवाई में सीआईए टोहाना पुलिस ने मनियाना रोड रजवाहा पुल के पास नाकाबंदी कर पंजाब निवासी कुलदीप सिंह को गिरफ्तार किया। सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने आरोपी के पास से 1200 प्रतिबंधित एल्प्राजोलम टेबलेट बरामद कीं। आरोपी इन गोलियों की सप्लाई क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में करने की फिराक में था। पुलिस जांच में पता चला है कि कुलदीप सिंह के खिलाफ पंजाब के लेहरा थाने में आर्म्स एक्ट, चोरी और एनडीपीएस के पांच मामले पहले से दर्ज हैं।

तीसरी कार्रवाई

तीसरी कार्रवाई थाना शहर फतेहाबाद पुलिस द्वारा एनएच-9 बाईपास रतिया रोड पर की गई। गुरुनानकपुरा पुलिस चौकी के सहायक उपनिरीक्षक सलेन्द्र के नेतृत्व में टीम ने नाकाबंदी के दौरान गुरुनानकपुरा निवासी विजय सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 75 प्रतिबंधित एल्प्राजोलम टेबलेट बरामद हुईं। उसके खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। डीएसपी कुलवंत सिंह ने बताया कि जिला पुलिस का नशा विरोधी अभियान लगातार जारी रहेगा और नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पीड़िता ने परिजनों के साथ महिला थाना पहुंच कर शिकायत दर्ज करवाई

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने शादी का झांसा देकर नाबालिग युवती से दुष्कर्म मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। महिला थाना में तैनात महिला उप निरीक्षक कोमल सिंह ने बताया कि पीड़िता अपने परिजनों के साथ महिला थाना पहुंची और शिकायत दर्ज करवाई। महिला अधिवक्ता तथा महिला पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में पीड़िता के बयान दर्ज किए गए। पीड़िता ने बताया कि आरोपी गुरप्रीत सिंह उसके पिता का परिचित था तथा उसका उनके घर आना-जाना था। आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर शादी का झांसा दिया और करीब ढाई वर्ष तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता ने बताया कि इस दौरान वह गर्भवती हो गई थी, जिसके बाद आरोपी ने दवाई दिलाकर उसका गर्भपात करवा दिया। आरोपी लगातार उसे शादी का भरोसा देता रहा और किसी को भी घटना के बारे में न बताने के लिए कहता रहा। बाद में 25 अप्रैल 2026 को आरोपी ने किसी अन्य लड़की से विवाह कर लिया। इसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करवाने के उपरांत लीगल एडवाइजर एवं मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत महिला थाना सिरसा मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

सिरसा। शादी का सांझा देकर दुष्कर्म करने का आरोपी।

परिवारों में आपसी संवाद, प्रेम और संस्कारों का वातावरण बनाए रखना अत्यंत आवश्यक : मोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

अग्रवाल धर्मशाला में सामाजिक सद्भावना बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें शहर की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा।

बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में हिसार से पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विभाग के प्राध्यापक कार्य प्रमुख मोहित आनंद ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परिवारों के बिखरने से सामाजिक संस्कार कमजोर हो रहे हैं, जिसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि परिवारों में आपसी संवाद, प्रेम और संस्कारों का वातावरण बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

बच्चों को अच्छे संस्कार, बुजुर्गों का सम्मान तथा सहयोग की भावना परिवार से ही प्राप्त होती है। यदि परिवार मजबूत होंगे तो समाज भी मजबूत और संगठित बनेगा। मोहित आनंद ने कहा कि आज के समय में समाज को जोड़ने और आपसी सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता है।

सभी लोगों को जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर समाजहित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

बैठक में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे और समाज में प्रेम, सहयोग तथा भाईचारे की भावना को मजबूत करने पर बल दिया।

रतिया। सामाजिक सद्भावना बैठक को संबोधित करते मुख्य वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

स्वच्छ भारत का सपना सफाई कर्मियों के बिना अधूरा : राखी मक्कड़

सरकार को सुननी चाहिए उनकी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नगरपरिषद कर्मचारियों की हड़ताल आज 11वें दिन में प्रवेश कर गई है। हड़ताल के कारण शहर की बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता व भाजपा की पूर्व महिला जिला प्रधान राखी मक्कड़ ने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना सफाई कर्मचारियों के बिना अधूरा है। ये कर्मचारी हमारे समाज की एक अहम कड़ी हैं और सरकार को इनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए जल्द समाधान निकालना चाहिए। राखी मक्कड़ ने कहा कि हड़ताल के कारण जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। गंदगी और दुर्गंध ने आम जनता का सडक़ों पर चलना दूभर कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो शहर में जल्द ही कोई बड़ी महामारी फैल सकती है। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि प्रशासन द्वारा कूड़ा न उठाए जाने के कारण अब लोग मजबूरन कचरे के ढेरों को आग लगा रहे हैं। इससे न केवल प्रदूषण बढ़ रहा है, बल्कि किसी बड़े नुकसान या हादसे की आशंका भी गहरा गई है। सामाजिक कार्यकर्ता ने भाजपा सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा, भाजपा सरकार ने स्वच्छ भारत का नारा दिया है और इसे साकार करने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं की सफलता पूरी तरह से सफाई कर्मचारियों के सहयोग पर टिकी है। सरकार को चाहिए कि वे कर्मचारियों के साथ बैठकर बातचीत करें।

राखी मक्कड़

अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

हिसार। सीआईए मिल गेट प्रभारी निरीक्षक पवन के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बरवाला-जींद रोड स्थित फ्लाईओवर के पास से तीन युवकों को अवैध हथियारों सहित काबू किया गया है। आरोपियों में बरवाला के वार्ड 8 निवासी वंश उपर्फ अमनी, अजय उर्फ सीतू व सौरभ शामिल है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों में वंश उर्फ अमनी से 12 बोर का एक नाली बंदूक व दो जिंदा कारतूस, अजय से दो जिंदा कारतूस व सौरभ से तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस पूछताछ व जांच में सामने आया है कि इन तीनों आरोपियों का पहले से ही आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

धमीजा लायंस ने 4 रन से दर्ज की जीत सोनू सैनी बने मैन ऑफ द मैच

येशव नाइट राइडर्स 20 ओवर में 8 विकेट पर 229 रन ही बना पाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

मास्टर प्रीमियर लीग में खेले गए रोमांचक मुकाबले में धमीजा लायंस ने येशव नाइट राइडर्स को 4 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए धमीजा लायंस ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 233 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में येशव नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 229 रन ही बना सकी और मैच बेहद करीबी अंतर से हार गई। धमीजा लायंस की पारी में सोनू सैनी ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों पर 78 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा ललित नागपाल ने 21 गेंदों पर 66 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। विरोधी टीम की ओर से काला सैनी ने 65 गेंदों पर 109 रन की शानदार शतकीय पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। गेंदबाजी में धमीजा लायंस के फौजी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जिससे टीम की जीत की नींव मजबूत हुई। उनके इस प्रदर्शन ने मैच का रुख निर्णायक रूप से धमीजा लायंस की ओर मोड़ दिया। मैच में अपनी आक्रामक और प्रभावशाली पारी के लिए सोनू सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सुभाष जी द्वारा सोनू सैनी को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड प्रदान किया गया। उनकी तेजतर्रार बल्लेबाजी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

- धमीजा लायंस ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 233 रन लगाए

गोसेवा को समर्पित भाविप राघव शाखा नंदीशाला में 10 क्विंटल चारे की सेवा

- परिषद के कार्यकर्ता हमेशा समाज और जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर : अमित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारत विकास परिषद राघव शाखा फतेहाबाद की ओर से समाज सेवा और गोसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बीघड़ रोड स्थित नंदीशाला में 10 क्विंटल चारे की सेवा की गई। इस अवसर पर शाखा सदस्यों ने न केवल गोवंश के लिए चारे की व्यवस्था की, बल्कि भविष्य में भी नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। शाखा अध्यक्ष अमित रुखाया ने कहा कि परिषद के कार्यकर्ता हमेशा समाज और जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा को विशेष महत्व दिया गया है और इसी भावना के साथ शाखा ने नंदीशाला एवं गोशाला में प्रत्येक माह सेवा कार्य करने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत हर महीने चारे की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग और सहभागिता से ही ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर गति मिलती है। शाखा का उद्देश्य केवल सहायता पहुंचाना नहीं, बल्कि लोगों को सेवा और संवेदनशीलता के प्रति प्रेरित करना भी है। इस अवसर पर शाखा के वित्त सचिव महेंद्र पन्नी मेहता, नितिन मेहता, दीपक फुटेला, एडवोकेट योगेश गुप्ता और दीपक प्रजापति सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

फतेहाबाद। नंदीशाला में गौसेवा करते भाविप राघव शाखा सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

कार्यक्रम मुख्त्यार सिंह कॉलेज में एनसीसी का देशभक्ति कार्यक्रम

युवाओं में जागी राष्ट्रभक्ति की भावना

- गीत, नृत्य और कविताओं के माध्यम से भारतीय सेना को किया सलाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ऑपरेशन सिंदूर के तहत कैडेट्स ने प्रस्तुत किए शौर्य और बलिदान के रंग

मुख्त्यार सिंह मैमोरियल कॉलेज, बहबलपुर में 3 हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार के तत्वावधान में ऑपरेशन सिंदूर विषय पर एक देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कुलदीप सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं सेना के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करना था। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति गीत, नृत्य, कविताएं एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके पश्चात कैडेट्स ने भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और देश सेवा को दर्शाने वाली आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश की सुरक्षा में सैनिकों के योगदान को विशेष रूप से उजागर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओ.पी नागपाल ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि देश सेवा केवल सीमा पर ही नहीं, बल्कि समाज में अनुशासन, एकता और जिम्मेदारी निभाकर भी की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले कैडेट्स को सम्मानित किया गया।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में भाग लेते एनसीसी कैडेट्स। *फोटो : हरिभूमि*

खबर संक्षेप

17 मई को होगा राष्ट्रीय ब्राह्मण मिलन समारोह

सिरसा। आगामी 17 मई को श्री ब्राह्मण सभा व ब्राह्मण आर्मी द्वारा भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय ब्राह्मण मिलन एवं सम्मान समारोह भगवान श्री परशुराम धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली, डॉ. अरविंद शर्मा, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स शामिल होंगे। ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष प्रो. दयानंद शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के उन महानुभावों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से छाप छोड़ी है।

शिविर में 326 नेत्र रोगियों की जांच

सिरसा। श्री हनुमंत चैरिटेबल अस्पताल में नेत्र जांच व आपरेशन का 281वां निःशुल्क शिविर आयोजित किया गया। मुख्य परियोजना संयोजक सुमन मित्तल ने बताया कि कैंप में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण अरोड़ा व डॉ. महिप बंसल ने अपनी टीम व सहयोगियों के साथ 326 नेत्र रोगियों की निःशुल्क जांच की। शिविर के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित 64 जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क आपरेशन के लिए चयन किया गया। इसके अलावा 74 मरीजों की निःशुल्क मधुमेह जांच के साथ सभी नेत्र रोगियों को दवाइयां दी गई। शिविर में शैंकी, आकाश, ललिता, चांदनी, सुनीता, चरणजीत, रामचंद्र कोथ, ओमप्रकाश, केवल कृष्ण, वेद प्रकाश मेहता, डीडी वर्मा, एमपी गर्ग, बाबूराम मित्तल, सुरेंद्र शर्मा, कृष्णा फौगाट आदि मौजूद थे।

सीएमके में एम्ब्रायेडरी वेल्यू ऐडिड कोर्स शुरू

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीबीए विभाग ने एम्ब्रायेडरी वेल्यू एडिड कोर्स शुरू किया। प्राचार्या अंशु उप्पल ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक व विकास का है। महाविद्यालय समय-समय पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित और सकारात्मक सोच के साथ मार्गदर्शन करता रहता है, ताकि नवीन तकनीक के महायुग में जब वह अध्ययन के पश्चात अपनी शिक्षा पूरी कर रोजगार प्राप्त कर सकें। इस विशेष कोर्स को सफल बनाने में वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्षा संगीता नंदा, गृहविज्ञान विभाग प्रमुख डॉ. अनु कथुरिया, प्रो. आरती बांसल, इतिहास विभाग प्रमुख डॉ. मंजु देवी, सहायक आचार्या प्रियंका रानी व राजनीतिक विज्ञान आचार्या डॉ. रचना ने अहम भूमिका निभाई।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का समाधान निकाले सरकार: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर गंभीर नहीं है। हड़ताल के कारण हरियाणा के शहर कूड़े के ढेर में तब्दील हो गए। शहरों में फैली गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, लेकिन सरकार अभी तक संवेदनशीलता के साथ समाधान निकालने में असफल रही है।

श्रद्धा, भक्ति के साथ मनाया गया जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आस्था व सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक : अमरपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भारत की सनातन संस्कृति, आस्था, स्वाभिमान एवं गौरवशाली इतिहास को समर्पित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर के दुर्गा मंदिर परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बोर्ड के चेयरमैन अमरपाल राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रतिया विधायक जरनैल सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, डीसी डॉ. विवेक भारती, एडीसी अनुराग ढालिया, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि तथा श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जाट धर्मशाला से दुर्गा मंदिर परिसर तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य अतिथि ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका मुख्य अतिथि चेयरमैन अमरपाल राणा ने उद्घाटन किया।

फतेहाबाद। सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए चेयरमैन अमरपाल राणा। फोटो: हरिभूमि

मंदिर भारत की सनातन संस्कृति की अमर

पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सनातन संस्कृति की अमर पहचान है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का इतिहास हमें संघर्ष के बीच धैर्य, साहस और पुनर्निर्माण का संदेश देता है। देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत विश्व में सबसे समृद्ध विरासतों में से एक है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करते हैं।

सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी ने कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों को मंदिर के उद्भव और इतिहास बारे जागरूक किया। समारोह में भगवान शिव स्तुति भजन प्रस्तुति सहित ओम कार मंत्र जाप तथा सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी श्रद्धालुओं को दिखाया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्ष 2026 भारतीय संस्कृति और स्वाभिमान के इतिहास का अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष है, क्योंकि इस वर्ष सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा स्वतंत्र भारत में मंदिर के पुनर्निर्माण एवं उद्घाटन के 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं।

फतेहाबाद। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में कलश यात्रा निकालती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

देश के सर्वणिम इतिहास को जाने युवा

रतिया से कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत की अदम्य आस्था और राष्ट्रीय दृढ़ता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सदियों तक अनेक आक्रमणों और चुनौतियों के बावजूद भारतीय समाज ने अपनी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को जीवित रखा, जो पूरे विश्व के लिए प्रेरणा है। जरनैल सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी को भारत के गौरवशाली इतिहास और सनातन मूल्यों से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राष्ट्रीय एकता का प्रतीक

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आस्था, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीकात्मक आयोजन है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को अपनी परंपराओं, संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों से जोडऩे का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत के करोड़ो लोगो की आस्था का प्रतीक है। प्रवीण जोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत की एकता, अखंडता, संस्कृति के उत्थान के लिए काम कर रही है।

सिरसा। कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री रणबीर सिंह गंगवा तथा सोमनाथ सद्भावना पर्व कलश यात्रा निकालती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

सोमनाथ मंदिर केवल मंदिर नहीं, भारत की आत्मा: गंगवा

- सोमनाथ सद्भावना पर्व सिरसा के शिव मंदिर में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा, एकता का प्रतीक है। मंदिर आक्रमणकारियों द्वारा कई बार खंडित किया गया, लेकिन हर बार यह मंदिर और अधिक शक्ति, विश्वास और संकल्प के साथ पुनः खड़ा हुआ। सोमनाथ मंदिर की सबसे बड़ी प्रेरणा यही है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी विश्वास और आस्था के बल पर पुनर्निर्माण एवं पुनर्जागरण निश्चित है। मंत्री गंगवा सोमवार को सिरसा में सोमनाथ सद्भावना पर्व पर जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा द्वारा सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने शिव मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने नेहरू पार्क से मंदिर परिसर तक भव्य कलश यात्रा निकाली। गंगवा ने कहा कि सोमनाथ मंदिर हमें यह सीख देता है कि कितनी भी चुनौतियां आएं, हमें साहस के साथ उनका सामना करना चाहिए। नरेंद्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से देश ने हर चुनौती का डटकर सामना किया है।

ऐतिहासिक पर्व

कैबिनेट मंत्री गंगवा ने कहा कि आज पूरा देश सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहा है। यह भारतीय सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक गौरव और राष्ट्रीय स्वाभिमान का गौरवपूर्ण क्षण है। सोमनाथ मंदिर पर हुए अनेक आक्रमण केवल मंदिर पर ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना पर प्रहार करने का प्रयास थे, लेकिन भारत की आत्मा को कोई पराजित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अपनी श्रद्धा, साहस और संकल्प से यह सिद्ध कर दिया कि हमारी संस्कृति केवल पत्थरों की इमारतों में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास में बसती है। स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया और अनेक महान विभूतियों ने इस संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दिया।

डिजिटल राइटस पर छात्रों को दी जानकारी

- नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सोमवार को चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के लॉ विभाग तथा लाला हंसराज फुटेला लॉ कॉलेज में नेशनल टेक्नोलॉजी डे के अवसर पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी केएस गिल तथा पैनल अधिवक्ता रूपिंदर ने विद्यार्थियों को नेशनल टेक्नोलॉजी डे के महत्व के बारे में जानकारी दी।

सिरसा। जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

इस दौरान विद्यार्थियों के लिए डिजिटल राइट्स, साइबर सिक्योरिटी, टेक्नोलॉजी एवं लॉ से संबंधित विभिन्न विषयों पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तकनीक के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव तथा कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना जरूरी: रेणु

- विधानसभा चुनाव भाजपा की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं ने जाहिर की खुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

डबवाली में आगामी 23-24 मई को होने वाले प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक हुई। डबवाली भाजपा अध्यक्ष रेणु शर्मा ने बताया कि मई 2026 में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण शिविरों और उनसे संबंधित बैठकों का दौर जारी है। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को अनुशासित करना, विचारधारा से जोडऩा और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास और सिद्धांतों के बारे में अवगत करवाया जा रहा है। वहीं आगामी चुनावी चुनौतियों और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति भी बनाई जा रही है। इस मौके पर पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड विजय पर सभी कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर चरणजीत सिंह रोड़ी, राजेंद्र सिंह देसुजोधा, हरविंद्र सिंह, विजयंत शर्मा, सतीश जग्गा व सतपाल शर्मा आदि मौजूद थे।

सिरसा। भाजपा जिलाध्यक्ष डबवाली रेणु शर्मा पदाधिकारियों की बैठक लेते हुए।

एसआईआर पर हुई विस्तृत चर्चा

रेणु शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में जहां भी भाजपा की सरकार नहीं है, वहां पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनाएगी। इसके साथ-साथ एसआईआर भी विस्तार से सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने चर्चा की। जिला प्रभारी मुकेश गौड़ ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण शिविर में बढ़ चढकर भाग लें।

छात्र दूर दृष्टि व अनुशासन को अपनाएं: सैनी

- श्री गोशाला में हुआ पांचवा पुस्तक वितरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट का पांचवां पुस्तक वितरण समारोह श्री गोशाला में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने कहा कि विद्यार्थी नशे से दूर रहें, केवल पढ़ाई की तरफ ध्यान रखें, अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसकी तरफ सतत प्रयास जारी रखें। दूर दृष्टि, पक्का इरादा, अनुशासन व कठिन मेहनत करके ही लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि रिटायर्ड प्राध्यापिका कृष्णा कुमारी ने कहा कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ व्यायाम करके अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार रातुसरिया ने कहा कि वर्ष 26-27 में 320 विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के सैट, स्टेशनरी, निःशुल्क चश्मा, प्रतियोगी पुस्तकें प्रदान कर चुके हैं और इसी महीने में 5000 विद्यार्थियों को स्टेशनरी भी वितरित की जाएगी। प्रेम कंदोई ने बताया कि 20 विद्यार्थियों को किताबों के सेट व दो विद्यार्थियों को निःशुल्क चश्में वितरित किए गए। इस अवसर पर अनिलसैनी, रतन सिंह दुरेजा, रणजीत सिंह टक्कर भी मौजूद थे।

सिरसा। बुक बैंक के पदाधिकारी जरुरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित करते हुए।

जीत-हार जीवन का हिस्सा: मोहित

- गांव चौबुर्जा में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिले के गांव चौबुर्जा में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए प्रदेश युवा कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहित शर्मा ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होते, बल्कि यह हमारे जीवन में अनुशासन, मेहनत, टीम भावना और आत्मविश्वास पैदा करते हैं। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को सही दिशा देने का कार्य करती हैं। मोहित ने कहा कि आज के समय में युवाओं को नशे और गलत गतिविधियों से दूर रखने के लिए खेल मजबूत माध्यम हैं। जब युवा मैदान में पसीना बहाते हैं, तब उनका शरीर स्वस्थ रहता है और उनका मन सकारात्मक सोच की ओर बढ़ता है। युवा कांग्रेस नेता ने कहा कि क्रिकेट जैसे खेल हमें सिखाते हैं कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन संघर्ष और मेहनत कभी नहीं छोड़नी चाहिए।

सिरसा। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर खिलाड़ियों के साथ मोहित शर्मा।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर आनंद भांभू, ऋषभ शर्मा, रजत शर्मा, सुनील कुमार, जगदीश वर्मा, रामनिवास सैनी, मुकेश सैनी, मदन लाल, अरविंद कड़वासरा, मुकेश कड़वासरा, हरजिंद्र बराड़, बलजिंद्र, सौरभ नंदवाल, कर्ण, जसन, रमन, सुभाष सैनी, कुलवंत, राजीव, सुनील, देसराज आदि मौजूद थे।

जिला कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक संपन्न, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर बनी रणनीति

फतेहाबाद। जिला कांग्रेस कार्यकारिणी की मासिक बैठक सोमवार को हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में फतेहाबाद के विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया और टोहाना के विधायक परमवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु पार्टी के संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और सशक्त बनाना रहा। विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनहित के मुद्दों के लिए लड़ती रही है और अब समय आ गया है कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने बूथ पर जाकर जनता के सुख-दुख में सहभागी बने। विधायक परमवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह का उत्साह आज की बैठक में देखने को मिला है, उससे यह स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी जिले में बेहद मजबूत स्थिति में है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

अब खेजडली के बलिदान को पढ़ेंगे पंजाब के विद्यार्थी

डबवाली। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में शहीद मां अमृता देवी और 363 बिश्नोई शहीदों के ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान को शामिल करने के निर्णय का बिश्नोई सभा डबवाली ने स्वागत किया है। सभा ने इस गौरवमयी इतिहास को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का आभार व्यक्त किया है। सभा सचिव इंद्रजीत बिश्नोई ने कहा कि सन 1730 में हुआ खेजड़ली आंदोलन विश्व का पहला और सबसे बड़ा पर्यावरण आंदोलन था, जहां प्रकृति की रक्षा के लिए लोगों ने हंसते-हंसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। नई पीढ़ी को इस महान बलिदान के बारे में पढ़ाना उनमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी जगाने वाला कदम साबित होगा।

कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर स्वास्थ्य क्षेत्र में नर्सों के योगदान को सराहा

'अवर नर्सेज, अवर फ्यूचर' विषय पर पोस्टर से नर्सिंग सिद्धांतों और मरीज सुरक्षा को किया प्रदर्शित

- नर्सिंग पेशा समाज को प्रदान करती है आशा, भरोसा और मानवता का स्पर्श

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष के निर्धारित विषय 'अवर नर्सेज, अवर फ्यूचर' के तहत आयोजित इन प्रतियोगिताओं में मॉडल्स और पोस्टर मेकिंग के जरिए नर्सिंग सिद्धांतों, मरीज सुरक्षा, एथिक्स और क्वालिटी केयर जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। इस उत्सव में फतेहाबाद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बुद्धराम और बनगांव के मेडिकल ऑफिसर डॉ. राहुल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथियों ने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नर्सिंग पेशा समाज की वह शक्ति है जो मरीजों को न केवल चिकित्सा सेवा प्रदान करती है, बल्कि उन्हें आशा, भरोसा और मानवता का स्पर्श भी देती है।

फतेहाबाद। नर्सिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रबंधक।

आधुनिक बदलावों से कराया अवगत

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. लवजीत कौर ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को नर्सिंग के क्षेत्र में आ रहे आधुनिक बदलावों और सेवा की बारीकियों से अवगत कराया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस के मुख्य उपलक्ष्य में 12 मई को कॉलेज प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आगामी कार्यक्रम में फतेहाबाद के एसडीएम राजेश कुमार और सीएमओ डॉ. बुद्धराम के साथ कॉलेज मैनेजमेंट टीम के सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर डॉ. लवजीत कौर ने सभी छात्र-छात्राओं को नर्सिंग के मूल मंत्रों करुणा, सेवा, समर्पण, ईमानदारी और पेशेवर उत्कृष्टता को अपने जीवन में आत्मसात करने की शपथ दिलाई।